RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-14 | अंक 9 | अगस्त 2018 | विक्रमी सं. 2074 | मूल्य : एक रुपया

सरस्वती शिशु मंदिर, हीरानार, जिला दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़) में महामहिम राष्ट्रपति मा. रामनाथ कोविन्द जी का शुभागमन

वनांचल शिक्षा सेवा प्रकल्प द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर, हीरानार, जिला दंतेवाड़ा में अपने देश के महामहिम राष्ट्रपति माननीय रामनाथ कोविन्द जी का शुभागमन 25 जुलाई 2018 को प्रात: 11:55 बजे हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रांत के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी एवं शिक्षा मंत्री श्री केदार कश्यप जी साथ में थे।

विद्यालय द्वार पर भैया-बहनों द्वारा पारंपरिक वेषभूषा में सुसज्जित होकर बस्तर की पारंपरिक पद्धति से महामहिम राष्ट्रपति जी का स्वागत किया गया। स्वागत के समय विद्यालय के भैया-बहनों द्वारा राष्ट्रभक्ति गीतों का सुमधुर गायन किया जा रहा था।

स्वागत पश्चात् महामहिम द्वारा विद्यालय प्रांगण में पीपल के पौधे का रोपण एवं जल सिंचन कर पौधों के प्रति एकात्म भाव एवं संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश हम सभी को दे गए। सरस्वती शिशु मंदिर योजना में चल रहे वैदिक गणित कार्यक्रम के अंतर्गत भैया-बहनों के अभ्यास कार्य का अवलोकन महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा किया गया, वैदिक गणित से संबंधित प्रश्न छात्रों से किए जिसका उत्तर छात्रों द्वारा दिया गया तदोपरान्त छात्रों द्वारा किए जा रहे तिरंदाजी अभ्यास कार्य का अवलोकन किया गया। महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा इस अभ्यास कार्य की प्रशंसा की गई।

इन कार्यक्रमों के पश्चात् सामूहिक भोजन हेतु भोजन पण्डाल में महामहिम राष्ट्रपति जी पधारे, यह भोजन पण्डाल घास-फूस से निर्मित किया गया था। सामूहिक भोजन में महामहिम राष्ट्रपति जी के साथ छात्रावास के 40 छात्र बैठे। पात्र के रूप में दोना एवं पत्तल का प्रयोग किया गया, महामहिम जी ने छात्रों के साथ भोजन मंत्र कर सामूहिक भोजन किए।

छात्रों के साथ चर्चा हुई। छात्रों ने कुछ प्रश्न किए जिसका समाधान महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा किया गया। कक्षा दशम का छात्र भैया संदीप मंडावी ने पूछा कि आप बस्तर में कभी पहले भी आए थे या आज पहली बार आए हैं? महामहिम राष्ट्रपति जी ने उत्तर में कहा कि 15 वर्ष पहले श्री बलीराम जी कश्यप के निमंत्रण पर बस्तर आया था, आज दुसरी बार यहाँ आया हूँ। कक्षा सप्तम के भैया आकाश दोड़ी ने पूछा कि क्या आपने सोचा था कि आप राष्ट्रपति बनेंगे? महामहिम जी ने उत्तर दिया कि यह मैंने सोचा नहीं था।

कक्षा दशम के शत-प्रतिशत प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए भैया-बहनों को कड़ी मेहनत करने हेतु महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

विद्यालय समिति के पदाधिकारियों से परिचय कर लगभग 1 बजे महामहिम राष्ट्रपति जी एवं अतिथिगण प्रस्थान किए। इस अवसर पर जिला के कलेक्टर महोदय द्वारा छात्रावास को दो दुधारू गाय भेंट की गई।

जुड़ावन सिंह ठाकुर, प्रादेशिक सचिव।

हरियाणा प्रांत की पांच आधारभूत विषयों की कार्यशाला अंबाला सिटी में सम्पन्न

शिक्षा एवं शिक्षण जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है, अत: कहा जाता है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती, इसी सिद्धान्त को ध्यान में रखते हुए विद्या भारती ने विभिन्न विषयों के चल रही कार्यशालाओं में एक स्थान बालक के सर्वांगीण विकास की अवधारणा को पुष्ट करने वाले आधारभूत विषयों (शारीरिक, योग, संगीत, संस्कृत व नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा) को भी दिया।

दिनांक 13 से 15 जुलाई 2018 तक राधालाल गीता विद्या मंदिर, अंबाला में चलने वाली इस कार्यशाला में आधारभूत विषयों के प्रांत प्रमुख, सह प्रमुख एवं संकुल प्रमुखों (26 संकुल प्रमुख, 7 प्रांत प्रमुख) ने सहभाग किया।

माँ सरस्वती के वंदना के पश्चात् राष्ट्रीय मंत्री श्री हेमचन्द्र जी ने अपने उद्‌बोधन में पंचकोशीय विकास की अवधारणा को स्पष्ट किया। सह संगठन मंत्री श्री रविकुमार जी ने आधारभूत विषयों के परस्पर समन्वय पर विस्तार से चर्चा की तथा उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाँचों आधारभूत विषय परस्पर मिलकर छात्रों के विकास का आधार बनाते हैं। अन्य सत्रों में सभी विषय प्रमुखों ने मिलकर आधारभूत विषयों के क्रियान्वयन में यदि कहीं कोई कठिनाई आती है तो उसका निराकरण कैसे हो, इस विषय पर गहन विचार विमर्ष किया। इसके लिए स्वयं विषय प्रमुखों ने कक्षा में जाकर छात्रों को पढ़ाया तथा पूर्व विचारित विषयों को क्रियान्वित किया।

राजगीर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर, राजगीर, नालंदा, बिहार के प्रांगण में दिनांक 26 अप्रैल 2018 को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान बच्चों के बीच चलाया गया। इस अवसर पर बिहार स्टेट रोड डेवलॉपमेंट कॉरपोरेशन, पथ निर्माण विभाग, बिहार सरकार द्वारा फोर लेन प्रबंधक इंजीनियर श्री संजय कुमार ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विगत वर्षों में बिहार में 10,000 (दस हजार) किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है जिससे यातायात की सुविधाएँ बेहतर होने के साथ-साथ आर्थिक एवं औद्योगिक गतिविधियों के साथ-साथ आम जन-जीवन भी प्रभावित हुआ है। सड़कों की चौड़ाई बढ़ने की वजह से वाहनों की गति में तेजी आई है। वाहनों की तेज गति के कारण सड़कों पर स्कूली बच्चों, पैदल यात्रियों और सड़क के किनारे रहने वाले लोगों की परेशानियाँ भी बढ़ी हैं।

विद्या मंदिर के प्राचार्य श्री अमरेश कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भारत में प्रत्येक वर्ष एक लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं और इससे भी अधिक घायल एवं विकलांग जीवन बिताने को मजबूर हो जाते हैं। सड़क पर बढ़ती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है, इसके लिए आवश्यक है कि हम सड़क पर सावधानी बरतें और सुरक्षा के नियमों का पालन करें। इसके लिए आवश्यक है कि हम सड़क पर सुरक्षा सम्बंधित नियमों और चिन्हों को अच्छी तरह जाने, उन्हें समझें और उनका पालन करें।

ट्रेनर जितेन्द्र कुमार एवं चक्रधर प्रसाद ने कहा कि जीवन अनमोल है, इस अनमोल जीवन को सुरक्षित बनाने और लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक एवं शिक्षित करने के लिए बिहार स्टेट रोड डेवलॉपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का सार्थक एवं सफल प्रयास है।

राजेश मेहरा एवं जिनेश पटेल ट्रेनर ने कहा कि सड़क का सुरक्षित उपयोग करें। इसको अपनें जीवन का लक्ष्य बनायें, मोबाईल फोन का इस्तेमाल आपको ध्यान ड्राईविंग से कहीं और ले जाता है और आप दुर्घटना का शिकार बन जाते हैं। दुपहिया वाहन पर दो से अधिक लोगों के बैठने से संतुलन बिगड़ता है और दुर्घटना की संभावनाएँ कई गुणा बढ़ जाती है।

निदेशक सह संयुक्त सचिव श्री जागृत भानूप्रकाश ने कहा कि हाईवे पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है, इसलिए हाईवे पर प्रवेश करते समय अधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। आने वाले वाहनों को ठीक से देखें और उचित दुरी होने पर ही आगे हाईवे पर प्रवेश करें या पार करें। आपात् स्थिति में हाईवे के अत्यंत बाएँ किनारें पर ही रुक सकते हैं। रुकने पर आपात कालीन बत्ती को चालू रखें।

सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी सुमनकुमार चौधरी ने कहा कि सड़क चिन्ह यातायात नियंत्रण के लिए एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। अत: उनका पालन करें। आदेशात्मक चिन्ह का पालन करना अनिवार्य है। चेतावनी चिन्ह आपको सावधान करते हैं। सूचनात्मक चिन्ह आपको दिशा और सुविधाओं की जानकारी देते हैं। ड्राईविंग एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, इसे बहुत ही सावधानी एवं ईमानदारी से निभाएँ।

प्रोजेक्टर और कई यंत्रों की सहायता से बचाव करने के तरीके बताए गए। छात्र/छात्रा पैदल स्कूल आने-जाने वाले, साईकिल से स्कूल आने-जाने वाले, हल्के अथवा चमकने वाले साईकिल खरीदें। सफेद, पीली, नारंगी, हल्की हरी इत्यादि। शहरों में सड़क पार करने के लिए सुरक्षित साधन जेबरा-क्रासिंग, सब-बे अथवा फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल करें। सड़क पार करते समय पहले बाएँ एवं दाएँ देखकर तय करें कि कोई वाहन तो नहीं आ रहा है। अंधे मोड़ तथा पार्क के लिए वाहनों के बीच से निकलकर सड़क पार नहीं करें। सड़क पार करने के लिए तिरछी दिशा में न चलें, पक्की सड़क पर चलने के बजाय कच्ची सड़क पर चलना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य-आचार्या, कार्यालय कार्यकर्ता एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सुमन कुमार चौधरी।

विभाग स्तरीय समिति पदाधिकारी प्रबोधन वर्ग का हुआ आयोजन

शिक्षा और ज्ञान सर्वोपरि है, संस्कार व दृष्टि के बिना लक्ष्य प्राप्ति असंभव - अमरनाथ जी प्रसाद

भारती शिक्षा समिति, बिहार द्वारा विभाग स्तरीय समिति पदाधिकारी प्रबोधन वर्ग का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारती शिक्षा समिति के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश सचिव श्री अमरनाथ प्रसाद, सहसचिव श्री प्रकाशचंद्र जायसवाल, आर.डी. एण्ड डी.जे. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य श्री वीरेन्द्र पोद्दार, विद्या मंदिर के अध्यक्ष श्री निर्मल जालान, प्रचार्य श्री नीरजकुमार कौशिक, विभाग के प्रवासी कार्यकर्ता श्री रमेशचन्द्र द्विवेदी ने संयुक्त रूप से उपस्थित रहे।

अपने उद्‌बोधन में प्रदेश सचिव श्री अमरनाथ प्रसाद ने कहा कि हम सभी शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, शिक्षा व ज्ञान सर्वोपरि है, ज्ञान का स्थानान्तरण ही शिक्षा है। शिक्षा जीवन की प्रथम आवश्यकता एवं संस्कार की सतत् प्रक्रिया है। संस्कार एक दिन में नहीं आते, संस्कार को जीवन में उतारना है तो शिक्षा अनिवार्य है। यह मनुष्य के जीवन को परिष्कृत कर इसका परिमार्जन करती है। शिक्षा मनुष्य के जीवन के अन्दर श्रद्धा का निर्माण करती है। विद्या के समान कोई दृष्टि नहीं है। यदि जीवन को दृष्टि नहीं मिले तो हम लक्ष्य से भटक जाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या मंदिर के अध्यक्ष श्री निर्मलकुमार जालान ने की। उन्होंने कहा कि विद्याभारती का विद्यालय समाज का विद्यालय माना जाता है जिसमें प्रबंध कार्यकारिणी समिति का निर्माण समाज के लोगों से किया जाता है। विद्यालय प्रबंध कार्यकारिणी विद्यालय के अभिभावक होते हैं और विद्यालय विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रबंध कार्यकारिणी के समिति के पदाधिकारियों को अधिकार का उपयोग कम एवं कर्तव्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। प्रबंधन विद्यालयी कार्य को गति देने एवं अवरोध दूर करने के लिए होता है। प्रबंधन से जुड़े लोग अपने ज्ञान के आधार पर विद्यालय, समाज और आचार्य विकास का काम करती है। न्यूनताओं को कम करना प्रबंधन का कार्य है। समिति के सह सचिव श्री प्रकाशचन्द्र जायसवाल ने छात्रों में राष्ट्रबोध, संस्कृतिबोध, अध्यात्मबोध एवं समाजबोध कराने की उत्सुकता प्रकट की। उन्होंने विद्यालय की पूरी व्यवस्था को चलाने में समिति, आचार्य, प्रधानाचार्य, अभिभावक एवं समाज के विद्वतजनों की भूमिका को प्राथमिकता दी। उन्होंने विद्यालय की भूमिका को सुनिश्चित करने पर भी बल दिया और कहा कि जल संरक्षण, उर्जा संरक्षण, स्वच्छता, पॉलीथीन का बहिष्कार, सेवाकार्य करना संस्कार केन्द्र का मुख्य कार्य है।

कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन श्री रमेशचन्द्र द्विवेदी ने किया।

सर्वहितकारी शिक्षा समिति की सम्पन्न हुई विषय दक्षता परीक्षा

''विद्या मंदिरों के आचार्य-दीदियों का शैक्षणिक स्तर बढ़ाने तथा अपने विषय की नवीनतम जानकारियां रखने हेतु विषय दक्षता परीक्षा (Subject Proficiency Test) का आयोजन सर्वहितकारी शिक्षा समिति द्वारा किया गया। पंजाब के कुल 18 केन्द्रों (जालंधर, मोरिंडा, चंडीगढ़, डेराबस्सी, पटियाला, नाभा, मालेरकोटला, दिड़वा, बरनाला, मोगा, रामपुराफूल, मानसा, फाजिल्का, अमृतसर, दीनानगर, पठानकोट, हाजीपुर व तलवाड़ा) से 1965 आचार्य-दीदियों ने भाग लिया।''

सर्वहितकारी शिक्षा समिति की प्रांतीय परीक्षा प्रमुख श्रीमती सुनीता सूद ने बताया कि ''यह परीक्षा अँग्रेजी, हिन्दी, पंजाबी, सामाजिक अध्ययन, विज्ञान, गणित, कंप्यूटर विज्ञान, संस्कृत, शरीरिक शिक्षा, शिशु वाटिका तथा कॉमर्स विषयों के लिए सम्पन्न हुई। परीक्षा केन्द्र का नियंत्रक स्थानीय प्रधानाचार्य जबकि केन्द्र अधीक्षक किसी अन्य वरिष्ठ प्रधानाचार्य को नियुक्त किया गया। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन वरिष्ठ प्रधानाचार्यों द्वारा किया जाएगा।''

उल्लेखनीय है कि अपने आचार्यों की योग्यता बढ़ाने हेतु सर्वहितकारी शिक्षा समिति द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है।

सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी

मंदसौर में संस्कृति बोध परियोजना की बैठक सम्पन्न

पैंतालिस हजार अभ्यर्थियों के पंजीयन का लक्ष्य

सरस्वती विद्या मंदिर सी.बी.एस.ई. विद्यालय, संजीत मार्ग, मंदसौर पर संस्कृति बोध परियोजना की विभागीय बैठक सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विभाग समन्वयक श्री महादेव यादव, संस्कृति बोध परियोजना के विभाग संयोजक श्री रवीन्द्र पाण्डे एवं श्री दुर्गेश पांचाल उपस्थित रहे।

सभी आगंतुक अतिथियों का परिचय सरस्वती विद्या मंदिर सी.बी.एस.ई. विद्यालय के प्राचार्य श्री राघवेन्द्र देराश्री ने कराया।

अतिथियों ने कहा कि संस्कृति बोध परियोजना अखिल भारतीय स्तर पर अनेक प्रतियोगितायें एवं परीक्षा आयोजित करता है, जिसमें संस्कृति ज्ञान परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर सम्मिलित अनेक छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में भी विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर चुके हैं। वर्तमान में प्रतियोगी परीक्षाओं एवं अपने राष्ट्र, धर्म, संस्कृति को पढ़ने-समझने का यह एक श्रेष्ठ माध्यम है। सत्र 2018-19 में लगभग 500 अन्य विद्यालय के 45,000 अन्य विद्यार्थिओं को संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सम्मिलित कराने का विभाग ने लक्ष्य लिया है। हम सब कार्यकर्ता, पूर्व छात्र, पूर्व अभिभावक व समिति के विशिष्ट महानुभाव मिलकर इसे पूर्ण करें यही अपेक्षा है। शासकीय/ अशासकीय विद्यालयों से आग्रह है कि वे अपने विद्यालय के पंजीकरण हेतु निकटतम सरस्वती विद्या मंदिर में सम्पर्क कर सकते हैं।

हिन्दी विषयक कार्यशाला - हरियाणा

भाषा के विकास से संस्कार व संस्कृति का प्रादुर्भाव एवं संवर्धन होता है।

कार्यशाला शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों के लिए शैक्षिक उन्नयन का सशक्त माध्यम है। इसी पुनीत भावना के आलोक में 27 जून से 30 जून 2018 तक चार दिवसीय हिन्दी भाषा शिक्षक कार्यशाला का प्रथम आयोजन किया गया। हिन्दी भाषा विषय की व्यवहारिक आवश्यकता एवं अनुभव पर पूरे शिक्षण समय को पंद्रह सत्रों में समायोजित किया गया। इस कार्यशाला में हरियाणा प्रान्त के 7 संकुलों के 27 विद्यालयों से 13 आचार्यों व 44 दीदियों ने पूरे मनोयोग से सहभागिता की। विषय शिक्षण की महत्ता को ध्यान में रखते हुए विषय-उपविषय विशेषज्ञों के अनुभवी आचार्यों द्वारा विषय का भली-भांति प्रतिपादन किया गया। आठ विशेषज्ञों द्वारा भाषा-शिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए विषय को हृदयंगम करने का सफल प्रयास किया गया।

मुख्यतः प्रतिपादित विषय रहे सुलेख, श्रुतिलेख, शुद्धवर्तनी, उच्चारण, व्याकरण बोध, शब्दकोश ज्ञान, लेखन-कौशल, भाषा-विकास एवं महान साहित्यकारों की जीवनी एवं मानक रूप, मौखिक अभिव्यक्ति, क्रिया आधारित शिक्षण प्रक्रिया, गृह-कार्य व प्रश्न निर्माण आदि। विशेषज्ञों में डॉ. अशोक बत्रा, डॉ. विजयदत्त शर्मा, श्री आशुतोष भटनागर, श्री रविकुमार, श्री रामकुमार एवं श्री सुभाष शर्मा के नाम उल्लेखनीय हैं। रात्रिकालीन सत्र में महाकवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जीवन-चरित्र चलचित्र के माध्यम से दिखाया गया। चलचित्र शिक्षार्थियों के लिए रोचक रहा।

संक्षेप में यह भाषा-शिक्षण का भगीरथ प्रयास था। उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा जिज्ञासा एवं दैनिक शिक्षण में आनेवाली कठिनाई की अभिव्यक्ति ने इस कार्याशला को नया रूप दिया है। साथ ही भाषा अध्यापकों को सीखने का नया अवकाश ही नहीं बल्कि भाषा शिक्षक होने का गौरव भी प्राप्त हुआ है।

समापन सत्र में श्री रविकुमार जी ने बताया कि पानी अंतिम बिंदु तक जाना चाहिए अर्थात् कार्यशाला में जो भी हमने सीखा है, वह कक्षा-कक्ष शिक्षण के उपयोग में आना चाहिए ताकि बालकों को भाषा-शिक्षण अच्छा हो सके। माननीय सुरेंद्र अत्री जी का उद्‌बोधन आचार्यो के लिए सारगर्भित व भावभरा क्षण रहा। उन्होंने कहा कि हम विषय आचार्य के साथ मार्गदर्शक भी हैं। मार्गदर्शक हैं, ऐसा हमारे व्यवहार से बालकों को लगता है क्या? मार्गदर्शक के नाते जो-जो गुण हमारे में होने चाहिए, उन गुणों के संवर्धन के लिए हमें प्रयासरत रहना चाहिए। अन्त में शांति मन्त्र के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की साधारण सभा सम्पन्न विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की वार्षिक साधारण सभा शंकरदेव विद्या निकेतन, विष्णुपथ, गुवाहाटी में सम्पन्न हुई। असम, अरुणांचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैण्ड, मणिपुर से 138 कार्यकर्ता इस साधारण सभा में उपस्थित रहे।

आचार्य विकाश शर्मा, पूर्वो. जनजाति शिक्षा समिति।

हरियाणा का 'उत्कृष्ट-2018'

'लक्ष्य बनाकर मेहनत करने पर सफलता अवश्य मिलती है। आज का समय प्रतियोगिता का है। जो विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में पिछड़ गया उसे अपना लक्ष्य प्राप्त करने में कठिनाई आती है। मेधावी विद्यार्थियों को अपनी सफलता का अभिमान नहीं करना चाहिए। अभिमान उन्हें आगे बढ़ने में रुकावट पैदा करता है। अभिभावकों व अध्यापकों का कर्त्तव्य बनता है कि वे बच्चों को हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहें।' ये विचार श्री हेमचंद्र जी, विद्या भारती के रा. मंत्री ने हरियाणा के उत्कृष्ट-2018 कार्यक्रम में रखे। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व-छात्र परिषद्, विद्याभारती हरियाणा ने संस्कृति भवन, गीता निकेतन विद्यालय के आवासीय परिसर में किया था।

श्री रोशनलाल सैनी, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव (हरियाणा सरकार) ने कहा कि सफलता प्राप्त करना आसान है लेकिन सफलता को बनाए रखना काफी कठिन है। विद्यार्थी में केवल अंक लेना जितना महत्त्वपूर्ण है, उतना ही अच्छे संस्कार प्राप्त करना भी हो। ज्यादा अंकों के लिए विद्यार्थियों को तनाव नहीं लेना चाहिए।

श्री रविकुमार जी, सह संगठन मंत्री, विद्याभारती हरियाणा ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थी बहुत होते हैं। मेधावी से उत्कृष्ट बनने में कड़ी मेहनत की जरूरत पड़ती है। अनुशासित विधार्थी ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है। यह कार्यक्रम अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

कार्यक्रम संयोजक श्री संजय चौधरी ने बताया कि विद्याभारती हरियाणा के विभिन्न विद्यालयों के दसवीं व बारहवीं कक्षा की हरियाणा शिक्षा बोर्ड व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 26 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में श्री सुरेन्द्र जी अत्री व श्री बालकिशन जी, संगठन मंत्री के साथ-साथ अनेक अधिकारी व पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

सामाजिक विज्ञान विषय पर हरियाणा में कार्यशाला आयोजित

सामाजिक विज्ञान विषय का विभिन्न प्रतिभागी परीक्षाओं के समसामाजिक विषयों व सामान्य ज्ञान से विशेष सम्बंध है।

विद्याभारती हरियाणा द्वारा प्रांतीय स्तर पर चार दिवसीय सामाजिक विषय का कार्यशाला का (27 जून से 30 जून 2018 तक) आयोजन किया गया, जिसमें 7 संकुलों से 24 विद्यालयों के 15 आचार्य भैया एवं 24 आचार्य दीदियों ने भाग लिया। कार्यशाला को 15 सत्रों में विभाजित किया गया, जिन्हें 6 विषय प्रमुखों श्री रवि कुमार जी, श्रीमती कुसुम कौशल जी, श्रीमती ममता सिंह जी, श्री आशुतोष जी, श्री कुलदीप मेहंदीरत्ता जी एवं श्रीमती चारू शर्मा जी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन में श्री बालकिशन जी-संगठन मंत्री विद्या भारती हरियाणा ने सामाजिक विषय के महत्त्व एवं सामाजिक विज्ञान के आचार्यों से समाज की अपेक्षाएँ एवं उनके दायित्त्व के प्रति सभी प्रतिभागियों को सचेत किया।

कार्यशाला के पहले सत्र में विषय रहे सामाजिक विज्ञान विषय का पाठ्यक्रम में महत्त्व, शिक्षकों को अध्यापन में एवं विद्यार्थियों को अध्ययन में आने वाली परेशानियों को सूचीबद्ध किया। कार्यशाला के बांकी सत्रों में विषय प्रमुखों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन गतिविधि उन्मुखता से किया, जिसके विषय रहे-अध्यापन के तरीकों में आधुनिकता का समायोजन, सैद्धान्तिक विषयों को किस प्रकार रोचक बनाया जाए, सीमित समय में विस्तृत पाठयक्रम को किस प्रकार पढ़ाया जाए, पाठ्यक्रम आधारित विभिन्न आंतरिक एवं बाहरी गतिविधियाँ एवं पाठ्यक्रम योजनाएँ कैसे तैयार की जाएँ इत्यादि।

सामाजिक विषय का विभिन्न प्रतिभागी परीक्षाओं, समसामयिक, सामान्य ज्ञान आदि से क्या सम्बन्ध है, इस विषय पर बोलते हुए डॉ. कुलदीप मेहंदीरत्ता ने कहा कि IAS जैसी परीक्षा में कक्षा 6 से 10 तक के सामाजिक विज्ञान पाठयक्रम में से काफी कुछ पूछा जाता है। उन्होंने बताया कि सभी प्रकार की प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षा में कक्षा 6 से 10 के पाठयक्रम में से आवश्यक रूप से प्रश्न आते हैं। यह सत्र सभी के लिए अत्यंत रोचक रहा व नये प्रकार का रहा।

सभी सत्र क्रिया आधारित रहा। प्रतिभागियों ने कर के सिखने का प्रयास किया एवं सन्देश प्राप्त किया कि किस प्रकार शिक्षण रुचिकर बनाया जा सकता है।

समसामयिक विषय धारा 370, 35ए पर प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन चलचित्र के माध्यम से किया गया। प्रतिभागियों ने अपने अधिकतर प्रश्नों के उत्तर एवं कठिनाईयों से समाधान आपसी मंथन एवं विषय प्रमुखों के मार्गदर्शन से प्राप्त किए।

हरियाणा के प्रांतीय कार्यालय का उद्घाटन

समर्पण व हम सब की भागीदारी से ही शिक्षित समाज की संकल्पना पूर्ण हो सकती है।

''समर्पण व हम सब की भागीदारी से ही शिक्षित समाज की संकल्पना की जा सकती है। विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान आज पूरे विश्व में संस्कारवान शिक्षा का प्रर्याय बन चुका है। देश भर में 13,000 विभिन्न स्तर के शिक्षण संस्थान, 12,500 संस्कार केन्द्रों में 1.5 लाख आचार्य/आचार्या संस्कारवान व भविष्य निर्माण करने वाली शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। विद्याभारती के विद्यालयों में पढ़ कर लाखों पूर्व छात्र विश्वभर में भारत का नाम ऊँचा कर रहे हैं। हमारा संकल्प है कि हर विद्यार्थी को भारत के गौरवशाली इतिहास से जोड़ा जाए। हम सब को अपना कर्त्तव्य समझ कर विद्याभारती के इस पुण्य कार्य में सहयोग करना चाहिए।'' ये विचार श्री ब्रह्मदेव जी शर्मा (संरक्षक, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान) ने विद्याभारती हरियाणा के प्रांतीय कार्यालय 'भारती भवन' के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में रखे।

श्री मनीष ग्रोवर, सहकारिता मंत्री, हरियाणा सरकार ने कहा कि आजादी के बाद बनी सरकारों ने शिक्षा का व्यवसायीकरण कर दिया। लेकिन विद्याभारती के विद्यालय आरंभ होने के बाद गरीब व जरूरतमंद बालकों को संस्कारवान शिक्षा मिलनी आरंभ हुई। विद्याभारती के विद्यालय से शिक्षित विद्यार्थी देश निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं।

श्री पवन सैनी विधायक, लाड़वा ने कहा कि आज निर्माण का युग चल रहा है जिसमें शिक्षित व संस्कारी नागरिकों की महत्ता बढ़ गई है। विद्याभारती आज एक सुदृढ़ व सशक्त भारत का निर्माण करने में अहम योगदान कर रही है।

विद्याभारती हरियाणा के संगठन मंत्री श्री बालकिशन जी ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए बताया कि प्रांत कार्यालय में शिक्षा में अनुसंधान के लिए भी काम किया जाएगा। जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। श्री चेतराम जी, मंत्री ग्रामीण शिक्षा विकास समिति ने सभी आंगतुकों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से श्री हेमचंद्र जी, श्री सुरेन्द्र अत्रि जी, डॉ. ऋषिराज वशिष्ठ, श्री जगन्नाथ शर्मा, श्री रविकुमार, सह संगठन मंत्री, श्री हिम्मतसिंह सिन्हा, श्री अवधेश पांडेय, मंत्री विद्याभारती व सभी विद्यालयों के प्रबंध समिति के सदस्य व अध्यापक उपस्थित रहे।

नालंदा में 31वाँ क्षेत्रीय वॉलीबाल एवं कुश्ती प्रतियोगिता, 2018 सम्पन्न

पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर, राजगीर, नालंदा के प्रागंण में दो दिवसीय 31वाँ क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक श्री जागृत भानुप्रकाश एवं प्रधानाचार्य श्री अमरेश कुमार ने किया। इस प्रतियोगिता में बिहार से राजगीर, किशनगंज, बाढ़ एवं झारखंड से सिन्दरी, रजरप्पा व धनबाद से करीब 125 भैया/बहनों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की विजेता टीम मथुरा (उत्तरप्रदेश) में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

		बाल वर्ग (भैया)
विजेता	–	पू०त०ज०म० सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर, नालंदा, बिहार
उप विजेता	–	राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनबाद, झारखंड
		बाल वर्ग (बहन)
विजेता	–	राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, धनबाद, झारखंड
		किशोर वर्ग (भैया)
विजेता	–	सरस्वती विद्या मंदिर, सिन्दरी, झारखंड
उप विजेता	–	सरस्वती विद्या मंदिर, रजरप्पा परियोजना, झारखंड
		तरुण वर्ग (भैया)
विजेता	–	सरस्वती विद्या मंदिर, कतरासगढ़

21 जून - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भारती शिक्षा समिति, बिहार के द्वारा चल रहे ग्राम विकास योजना सरस्वती संस्कार केन्द्र में 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्थान विजय नरसिंह भगवान, रामनगर, धर्मपुरा में मनाया गया। जिसमें कुल 15 सरस्वती संस्कार केन्द्रों के भैया/बहनों, जिसमें कुल-600 भैया/बहन एवं 200 भैया/बहन अन्य विद्यालयों से तथा 100 अभिभावकों ने भाग लिया। गाँव-गाँव में घूमकर योग के बारे में नारे एवं योग-व्यायाम करने के फायदे बताए गए।

विद्याभारती हरियाणा के नारायणगढ़ विद्यालय की छात्रा सुश्री रिया ने प्रांत के दसवीं बोर्ड परीक्षा में प्राप्त किया तीसरा स्थान

विद्याभारती हरियाणा द्वारा संचालित विद्यालय श्रीमद्भागवत गीता व.मा. विद्यालय, नारायणगढ़ की छात्रा कु. रिया सुपुत्री श्री सुभाष कुमार ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा में 494 अंक लेकर पूरे प्रान्त में तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह छात्रा कु. रिया कक्षा अंकुर (नर्सरी) से ही इसी विद्यालय में पढ़ रही है और बाल्यकाल से ही पढ़ाई में अव्वल रही है।

New School Building Inaugurated in South Sikkim

A newly constructed school building in the name of SARALA DEVI KHAITAN BHAWAN was inaugurated at Saraswati Vidya Niketan Mallbasey, Tokel Bermiok, South Sikkim by Chief Guest Hon'blc Minister, Govt. of Sikkim Shri G.M. Gurung in the presence of National Asst. Organising Secretary Sri Govinda Chand Mahanta on 28th June 2018. Besides these some eminent personalities and dignitaries Sri Yaap T.N. Densapa [Kaji] Zila Upadhayksha [South Sikkim] Shri Bhirn Lakhey, Ex-M.L.A Shri I.B. Rai, Member of Bikash Parisad Vidya Bharati Shri Rajcndra Guptaji, Project [building] surveyor Shri Pawan Aggrawal were present as special guest.

Completing some inauguration formalities of the new school building the programme started lightening deep and offering flowers in the potrait by Chief Guest and Guest of honour simultaneously. The President of School Managing Committee, Malbasey Shri D.M. Chettri delivered introductory and welcome speech. Adjacent six schools of Saraswati Vidya Niketan and Sikkim Government schools participated in various colourful cultural dances, patriotic songs and Rhymes to entertain the gathering. Similarly, Vidya Bharati Sikkim felicitated Chief Guest Shri G.M. Gurung, Shri Yaap T.N. Dcnsapa, Shri Mohan Sharma and Shri Pravin Sharma for their selfless service given to the organisation through various aspects. Likewise, Krypton Group of Arts Society, Singtam also felicitated for their numerous selfless paintings at school.

The Sikkim Vibhag Sanghachalak Manniya Dinesh Chandra Nepal of Tadong donated a cheque amounting Rs. One Lakh Fifty thousand in the memory of LT.Pandit Dharmananda Nepal of Lower Tumin, Barang. East Sikkim for development of library in the same Bhawan. Some local people also contributed.

Mannniya Govind Chand Mohanta was the chief speaker of the programme highlighted the aim and objectives of Vidya Bharati. Chief Guest and State General Secretary Vidya Bharati Sikkim Shri Bijay Kumar Sharma [Dhital] spoke about all the current scenarios and the further vision of Vidya Bharari Sikkim.

Surya Dhital,
Office Secretary Vidya Bharati Sikkim.

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 August, 2018
Total No. of Pages : 8

RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18
Date of Posting -24-25 August, 2018

Teacher Training Workshop

The 10 days Teacher Training Orientation Workshop was organized by Bhartiya Shiksha Samiti J&K from 4th to 14th June 2018 at Bhartiya Vidya Mandir, Katra. The programme was inaugurated by Sh. Surinder Attri Ji General Secretary, Vidya Bharti North zone Sh. K Sthanumurti Ji, All India Yog Expert Vidya Bharti, Sh. Shiv Kumar Sharma Ji, President School Management Committee, Joint Secretary State Sport Council, Sh. Pradip Ji Sangathan Mantri Bhartiya Shiksha Samiti J&K Sh. Mubarak Singh Ji Vice President SMC, Sh. Om Prakash Mangotra Ji, Sh. Rattan Singh Manhas, Sh. Santosh Kumar, Sh. Hemant Kumar Members SMC, Smt. Ranjana Bajaj Joint Secretary Vidya Bharti J.& K.were present on the occasion.

Sh. Samir Saproo Office Secretary presented the welcome address and highlighted the main aim of the training programme & introduced the hon'ble guests with trainee teachers. In this programme 43 selected teachers from ten Vidya Mandirs Schools of Kishtwar, Udhampur, Reasi, Billawar Basoli, Kathua and Jammu are being given special orientation on spoken English, Vedic Mathematics, Science, Hindi, SSt, Physical Education, Yoga, Music, Sanskrit, Moral & Spiritual Education & Rich cultural diversity of Bharat & J&K. Sh. Hem Chander Ji Rashtriya Mantri, Vidya Bharti Delhi, Sh. Harsh Ji, Akhil Bhartiya Prashikshan pramukh, Sh. Lalit Bihari Goswami Ji Rashtriya Mahamantri, Vidya Bharti Delhi, Sh. Rakesh Bhatia Ji, Vedic Mathematics Expert North Zone Vidya Bharti from Rohtak, Sh. Kamlesh Pant [i All India HOD Music Vidya Bharti Delhi, Sh. Pradeep Tripathi JI, Sh. Samir Krishan Saproo, Sh. Pradeep Singh [i & Smt. Renu Sharma were resource persons.

Sh. Arun Gupta Ji, president Bhartiya Shiksha Samiti J&K in his valedictory address laid the stress on the aim & objectives of Vidya Bharti Teacher Training and appreciated the role of Bhartiya Shiksha Samiti J&K in arranging such orientation programmes in and around Jammu by inculcating rich cultural knowledge to trainee teachers. He also said that a teacher has the sole responsibility of transforming the young minds into well developed human beings by his own mission & vision, teacher should enlist his experiences and weaknesses daily and devise the mechanism to overcome these by regular self study. Sh. Pradip Kumar ji, organizing Secretary BSS J.&K. in his address said, "teacher is the nation builder, transformer, thinker, advisor and a missionary worker and therefore this teacher framingworkshop has a special significance.

The chief guest Sh. Shiv Kumar Sharma Ji, Joint Secretary State Sports Council hailed the efforts of Vidya Bharti J &K by organizing such programme in BVM Katra and assured his full support of all kinds in future programmes to be organized by the Society in Katra. Sh. Vijay Kumar Tripathi presented the Diploma certificates to all participants & said that this programme is the routine activity of the Samiti. Sh Pradip Tripathi, Prant Nirikshak of the Samiti announced the result of the programme and honoured the first three position holders, Didi Priyanka, Didi Sheetal, Didi Kirna, Didi Manjula, BVM Ambphalla, Udhampur & Katra school who attended the ten days Teacher Training Camp.

Sh. Arun Gupta Ji presented the vote of thanks. He specially praised the school management of BVM Katra and whole staff for making this programme a success event. The programme ended with Vandematram.

आप सभी को विद्या भारती संकुल संवाद की ओर से स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षा बन्धन की हार्दिक शुभकामनायें।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013